Tourist Traffic

803. SHRI NIHAR LASKAR: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether tourist traffic declined this year and last year and if so, the main reasons therefor;

(b) what was the total decline this year in comparison to the previous year; and

(c) the steps being taken to improve the tourist traffic?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI PURUSHOTTAM KAUSHIK): (a) and (b). No, Sir, there was no decline in tourist traffic during the last two years. On the contrary, the tourist traffic has shown an upward trend during the last two years. As compared to 465,275 foreign tourists who visited India during 1975, the tourist arrivals during 1976 were of the order of 533,951 recording an increase of 14.8 per cent. During January to May, 1977, 243,985 foreign tourists visited India and recorded an increase of 19.7 per cent over the corresponding period of 1976.

(c) Although tourist traffic to India is having healthy growth, the Department of Tourism is intensifying its efforts to achieve even better results. Among the steps being taken for this purpose are:—

(i) Opening of new tourist offices in those areas of the world where there is good potential for tourist traffic to India. New offices will be opened during the current year in Tehran (Iran), Bangkok (Thailand), Kualalampur (Malaysia), Perth and Melbourne (Australia).

(ii) Production of tourist literature on India in 13 European languages instead of 5 as at present. In addition, Department of Tourism is prducing tourist literature in Arabic Persian, Thai, Japanese and Chinese languages.

(iii) Introduction of "Travel As You like" Tickets' on Indian Railways and "Discover India" Tickets on Indian Airlines payable in foreign exchange for the benefit of foreign visitors.

(iv) Relaxation of entry formalities such as issuance of landing permit on arrival to be valid for 30 days.

(v) Organisation of familiarization tours to India of travel writers'/tour operators from different parts of the world to enable them to see our facilities.

मध्य प्रदेश में विभिन्न स्थानों का पर्यटन केन्द्रों के रूप में विकास

804. **श्री लक्ष्मी नारायण नायक :** क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने देश में प्रमुख पर्यटन स्थलों की सूची में मध्य प्रदेश के चित्रकूट, खजुराहो और ओरछा को शामिल किया है ;

(ख) इन ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्व के स्थानों का विकास करने के लिए केन्द्रीय सरकार ने क्या कार्यवाही की है अथवा करने का विचार है ; और

(ग) चित्रकूट, खजुराहो और ओरछा के विभिन्न सुरम्य स्थानों और सांस्कृतिक स्थलों तक पहुंचने के लिए पहुंच मार्गों का कब तक निर्माण कर लिया जायेगा ।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) (क) से (ग): फिलहाल केन्द्रीय क्षेत्र के अन्तर्गत पर्यटन केन्द्रों के विकास का निर्धारण इन केन्द्रों

के अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए वर्तमान अथवा संभावित आकर्षण के आधार पर किया जा रहा है। इसे दृष्टि में रखते हुए खजुराहों में पानी की सप्लाई में वृद्धि कर के और वहां के मौजूदा यात्री लाज का विस्तार एवं नवीकरण कर के वहां अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए सुविधाओं की पहले ही व्यवस्था की जा चुकी है। खजुराहो में केन्द्रीय क्षेत्र के अंतर्गत एक शिविर-स्थल (Camping Site) का निर्माण करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जा रहा है। परन्तु साधनों की तंगी के कारण मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर जिनमें चित्रकूट और ओरछा भी सम्मिलित हैं, पर्यटन विकास की कोई योजनायें प्रारंभ करना संभव नहीं हो रहा है।

तस्करों के स्थानों पर मारे गये छापे

805. **श्री धर्म सिंह भाई पटेल :** क्या **वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या 1974–75 और 1975–76 के दौरान देश भर में तस्करों के स्थानों पर छापे मारे गए थे ;

(ख) यदि हां, तो राज्यवार कितने तस्करों को गिरफ्तार किया गया तथा उनसे कितना धन, सोना तथा चांदी, अलग-अलग बरामद हुआ, और

(ग) क्या इस प्रकार बरामद सम्पत्ति राज्य सरकार के खजाने में जमा की गई अथवा केन्द्रीय सरकार के खजाने में ?

वित्त तथा राजस्व और बैंकिंग मंत्री (श्री एच० एम० पटेल) : (क) से (ग). सूचना एकत्रित की जा रही है और सदन-पटल पर रख दी जाएगी।

कटिहार (बिहार) जूट मिल

806. **श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव :** क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कटिहार (बिहार) जूट मिल अनेक महीनों से बन्द पड़ी है जिसके फलस्वरूप वहां के कर्मचारी बेरोजगार हो गये हैं ;

(ख) क्या बिहार सरकार ने सिफारिश की है कि केन्द्र सरकार उसे अपने नियंत्रण में में ले ले, और

(ग) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी तथ्य क्या हैं ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री (श्री मोहन धारिया) : (क) बिहार स्थित कटिहार जूट मिल बन्द नहीं पड़ी हुई है। तथापि, कटिहार में राय बहादुर हरदत्तराय मोतीलाल जूट मिल (प्रा०) लि० नामक अन्य जूट मिल पर मार्च, 1976 से काम रुकने के कारण प्रभाव पड़ा है।

(ख) और (ग) बिहार सरकार से, जिसने मिल को अपने हाथ में लेने की इच्छा व्यक्त की थी, अनुरोध किया गया है कि वे मिल की जीवन क्षमता का निरीक्षण करें ताकि एकक को पुनः खोलने के लिये संस्थागत वित्त प्राप्त किया जा सके।

Money mobilised by Compulsory Deposit Scheme

807. SHRI K. A. RAJAN:
SHRI S. R. DAMANI:
SHRI S. G. MURUGAIYAN:

Will the Minister of FINANCE AND REVENUE AND BANKING be pleased to state the total sum of